

**अनियततापी** वि. (तत्.) (वे जंतु) जिनके शरीर का ताप नियत न होकर परिवेश के अनुसार घटता-बढ़ता रहता है उदा. मछली, सरीसृप cold blooded

**अनियतात्मा** वि. (तत्.) 1. जिसका मन अपने नियंत्रण में न हो, चंचल मन, अवस्थात्मा 2. अस्थिर बुद्धि वाला 3. स्वच्छन्द।

**अनियम** पुं. (तत्.) 1. नियम का अभाव, नियम का न होना, अनियमितता, अव्यवस्था 2. अनिश्चितता 3. अस्पष्टता 4. अनुचित आचरण वि. नियमरहित, व्यवस्थारहित, अव्यवस्थित।

**अनियम-परिवृतदोष** पुं. (तत्.) साहि. एक प्रकार का वह अर्थदोष जिसमें 1. किसी वर्णनीय अर्थ का पूरी तरह अनियमित रूप से वर्णन किया जाए 2. नियमों की प्रतिकूलता से परिव्याप्त अर्थ दोष।

**अनियमित** वि. (तत्.) 1. नियमरहित, अविधिक, बेकायदा 2. अनिश्चित, अनियत 3. अव्यवस्थित।

**अनियमित क्रिया** स्त्री. (तत्.) वह क्रिया जो भाषा की तत्संबंधी अन्य प्रक्रियाओं की निर्धारित अभिरचना की अपवादी हो जैसे- हिंदी 'जा' क्रिया का 'गया' रूप।

**अनियमितता** स्त्री. (तत्.) नियमरहित या नियमविरुद्ध होने की स्थिति।

**अनियमित रूप** पुं. (तत्.) [व्या.] शब्द का वह रूप जो व्याकरण प्रक्रिया के अन्तर्गत पद निर्माण के नियमों के अनुसार न बना हो।

**अनियमित संज्ञा** स्त्री. (तत्.) वह संज्ञा शब्द जिसके व्याकरणिक रूप अपवाद के रूप में माने जाते हैं, उदा. हिंदी में 'चिड़िया' चिड़ियाँ तु. बालिका, बालिकाएँ।

**अनियार** वि. (तद्.) [हि.अनी=नोक] 1. जो तीखी नोक वाला हो, नोकदार, पैना, नुकीला।

**अनियारा** वि. (तद्.) अनीदार, नुकीला, कँटीला, धारदार, तीक्ष्ण, तीखा।

**अनियुक्त** वि. (तत्.) जिसे नियुक्त न किया गया हो, अनधिकारी।

**अनियोग** पुं. (तत्.) 1. नियोजन न करना, काम पर न लगाना 2. योजन न बनाना।

**अनियोजित** वि. (तत्.) 1. जो योजना के अनुसार या योजनाबद्ध न हो जैसे- अनियोजित अर्थव्यवस्था 2. काम पर न लगाया गया।

**अनियोजित अर्थव्यवस्था** स्त्री. (तत्.) वह अर्थव्यवस्था जो किसी राष्ट्र या राज्य में बिना किसी योजना के कार्यान्वित की गई हो।

**अनियोज्य** वि. (तत्.) [अ+नियोज्य] जो किसी प्रकार की सेवा या रोजगार आदि में लगाने के लिए उपयुक्त न हो उदा. आज रोजगार कार्यालयों में दर्ज अनियोज्य व्यक्तियों की संख्या पर्याप्त है।

**अनियोज्यता** वि. (तत्.) [अनियोज्य+ता प्रत्यय] किसी सेवावृत्ति, रोजगार या श्रमकार्य आदि में नियोजन के योग्य न होने का गुण/भाव या अवस्था जैसे- आज तकनीकी युग में अनियोज्यता बढ़ गई है।

**अनिरसित** वि. (तत्.) कानून या नियम की वह स्थिति जिसमें उन्हें नई विधि बना कर अप्रभावी न कर दिया गया हो।

**अनिराकरण** पुं. (तत्.) निराकरण न करना दे. निराकरण।

**अनिराकृत** वि. (तत्.) जिसका निराकरण न किया गया हो, जो दूर न किया गया हो।

**अनिरुक्त** वि. (तत्.) 1. जो स्पष्ट से न कहा गया हो 2. जिसका निर्वचन स्पष्ट रूप से न किया गया हो।

**अनिरुद्ध** वि. (तत्.) जो रोका हुआ न हो, अबाध, बेरोक। पुं. श्रीकृष्ण का पौत्र और प्रद्युम्न का पुत्र।

**अनिर्णय** पुं. (तत्.) निर्णय का न होना, अनिश्चय।

**अनिर्णीत** वि. (तत्.) जिसके विषय में निर्णय न हो सका हो खेल. बराबरी पर छूटा हुआ tie, draw

**अनिर्देश** वि. (तत्.) बच्चे के जनन या मरण के बाद जिसके अशौच के दस दिन न बीते हों।

**अनिर्देशा** वि.स्त्री. (तत्.) जिस (गाय-भैंस को) बच्चा दिए दस दिन न बीते हों।